रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 205] नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 28, 2015/श्रावण 6, 1937
No. 205] NEW DELHI, TUESDAY, JULY 28, 2015/SHRAVANA 6, 1937

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 2015

सं. 3/3/2015-पब्लिक.—भारत सरकार अत्यन्त दु:खपूर्वक यह उद्घोषित करती है कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का 27 जुलाई, 2015 को 19.45 बजे, बेथानी होस्पिटल, शिलांग, मेघालय में निधन हो गया है ।

एल. सी. गोयल, गृह सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th July, 2015

No. 3/3/2015-Public.—The Government of India announces with profound sorrow, the death of Shri A.P.J. Abdul Kalam, former President of India at 19.45 hours on July 27, 2015 at Bethany Hospital, Shillong in Meghalaya.

L. C. GOYAL, Home Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 2015

निधन सूचना

सं. 3/3/2015-पब्लिक.—भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का 27 जुलाई, 2015 को बेथानी हॉस्पिटल, शिलांग, मेघालय में निधन हो गया । उनका निधन होने से, देश ने एक दूरदर्शी वैज्ञानिक, सच्चा राष्ट्रवादी और एक महान सपूत खो दिया है ।

2. डॉ. अवूल पाकिर जैनुल्लब्दीन अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्तूबर, 1931 को रामेश्वरम, तमिलनाडु में हुआ था और उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी से एरोनाटिकल इंजिनियरिंग में विशेषज्ञता प्राप्त की थी । डॉ. कलाम ने भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान का विकास करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और भारत को अन्तरिक्ष क्लब का अनन्य सदस्य बनाया । डॉ. कलाम 'भारत के मिसाइल मैन' के रूप में जाने जाते थे और उन्होंने अग्नि एवं पृथ्वी मिसाइल के विकास और संचालन में योगदान दिया । उन्होंने हल्के लडाकू विमान की शरुआत करके रक्षा प्रणाली में आत्म-निर्भरता पर बल दिया ।

3. डॉ. कलाम रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार और 1992-99 के दौरान रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव थे । इस अवधि के दौरान, रणनीतिक मिसाइल प्रणालियां विकसित की गईं और पोखरन-II परीक्षण किए गए । डॉ. कलाम वर्ष 1999 से 2001 तक भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार थे और वे अनेक विकास संबंधी अनुप्रयोगों के लिए नीतियां, रणनीतियां और मिशन तैयार करने के लिए उत्तरदायी थे तथा उन्होंने इंडिया मिलेनियम मिशन, 2020 का पथप्रर्दशन किया।

4. साहित्यिक क्षेत्र में डॉ कलाम की पुस्तकें-"विंग्स ऑफ फायर", "इंडिया 2020-ए विज़न फॉर द न्यू मिलेनियम", "माई जर्नी" और "इग्नाइटेड माइंड्स-अनलीशिंग द पावर विदिन इंडिया" भारत और विदेश में घर-घर में लोकप्रिय हो गई ।

5. डॉ कलाम प्रौद्योगिकी के माध्यम से, विशेषरूप से भारत के युवकों को मानव कल्याण के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए प्रेरित करके समाज को परिवर्तित करने के लिए उत्सुक थे ।

6. डॉ. कलाम को भारत और विदेश से 48 विश्वविद्यालयों से मानद डाक्टरेट की उपाधि सहित कई राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय पुरस्कार मिले थे । उन्हें वर्ष 1997 में भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान "भारत रत्न" प्राप्त हुआ था । अन्ततः अत्यंत सामान्य शुरूआत के साथ वे देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए और वर्ष 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया । उनके कार्यकाल के दौरान, उन्हें प्यार से जनता के राष्ट्रपति के रूप में जाना जाता था ।

7. डॉ. कलाम को देशभक्ति, वैज्ञानिक योगदान और विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा ।

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th July, 2015

OBITUARY

No. 3/3/2015-Public.—Dr. A.P.J. Abdul Kalam, former President of India passed away on 27th July, 2015 at Bethany Hospital, Shillong, Meghalaya. In his passing away, the country has lost a visionary scientist, a true nationalist and a great son.

2. Born on 15th October, 1931 at Rameswaram in Tamil Nadu, Dr. Avul Pakir Jainulabdeen Abdul Kalam, specialized in Aeronautical Engineering from Madras Institute of Technology. Dr. Kalam made significant contribution in developing India's first indigenous Satellite Launch Vehicle and made India an exclusive member of Space Club. Popularly known as the "Missile Man of India', Dr. Kalam was responsible for the development and operationalisation of AGNI and PRITHVI Missiles. He gave thrust to self-reliance in defence systems by introducing Light Combat Aircraft.

3. Dr. Kalam was the Scientific Adviser to Defence Minister and Secretary, Department of Defence Research & Development during 1992-99. During this period, strategic missile systems were developed and the Pokhran-II nuclear tests were conducted. Dr. Kalam had served as the Principal Scientific Advisor to the Government of India, from 1999 to 2001 and was responsible for evolving policies, strategies and missions for many development applications and piloted India Millennium Mission 2020.

4. In his literary pursuit, Dr. Kalam's books - "Wings of Fire", "India 2020 - A Vision for the New Millennium", "My journey" and "Ignited Minds - Unleashing the power within India" became household names in India and abroad.

5. Dr. Kalam was passionate about transforming society through technology, in particular by inspiring the youth of India to harness science and technology for human welfare.

6. Dr. Kalam was the recipient of many national and international awards including honorary doctorates from 48 Universities from India and abroad. He received the country's highest civilian Award "Bharat Ratna" in the year 1997. Eventually, from a very humble beginning, he rose to the highest office of the Country and served as the 11th President of India from 2002 to 2007. During his tenure, he was affectionately known as the People's President.

7. For his patriotism, scientific contribution and humility, Dr. Kalam will remain an inspiring memory for the nation.

एल. सी. गोयल, गृह सचिव

L. C. GOYAL, Home Secy.

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.